शिक्षा निदेशालय

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

मूल्य परक अध्ययन सामग्री

विषय - हिन्दी

कक्षा - नवम्

पाठ्यक्रम : 'अ'

-मार्गदर्शिका-

डॉ. सुनीता एस. कौशिक

अतिरिक्त शिक्षा निदेशिक

समन्वय

श्री रोहतास सिंह

(प्रधानाचार्य, सर्वोदय विद्यालय, न्यू पुलिस लाइन)

शिक्षक समूह

१. श्री रवीन्द्र कुमार सोलंकी
प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक
एस. वी. न्यू पुलिस लाइन

२. डॉ. पद्माक्षी पाठक
रा. सर्वो. कन्या विद्यालय
जी. टी. बी. नगर

३. श्रीमती स्नेह लता यादव
प्रशिक्षित स्नातक अध्यापिका
रा. सर्वो कन्या विद्यालय शालीमार बाग
बी (ए. एच.) ब्लॉक

४. श्रीमती मीनाक्षी शर्मा
प्रशिक्षित स्नातक अध्यापिका
सर्वो. कन्या विद्यालय, आदर्श नगर

५. श्रीमती रीता भाटिया
प्रशिक्षित स्नातक अध्यापिका
रा. उच्च कन्या विद्यालय
हैदरपुर

मूल्य-परक प्रश्न

कक्षा : नवम्

विषय : हिन्दी

पाठ्यक्रम : 'अ'

पूरक पुस्तक : कृतिका भाग-1

रीढ़ की हड्डी

प्र.-1 उमा का अपने आत्मसम्मान की रक्षा के लिए उठाया गया कदम कहाँ तक उचित है?

प्र.-2 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी के माध्यम से लेखक समाज में किस तरह के परिवर्तन की आशा करता है?

प्र.-3 'यदि लड़कियाँ पढ़-लिख गई और अंग्रेजी अखबार पढ़कर 'पॉलिटिक्स' की बातें करना शुरू हो गयी तो हो चुकी गृहस्थी' इस कथन के अनुसार गोपाल प्रसाद जैसे व्यक्ति लड़कियों की शिक्षा का विरोध किस भय से करते हैं?

प्र.-4 'क्या लड़कियों के दिल नहीं होते, क्या उनको चोट नहीं लगती, क्या बेबस भेड़-बकरियाँ हैं जिन्हें कसाई अच्छी तरह से देखभाल कर.....' उमा के इस कथन के द्वारा लड़कियों की कौन-सी पीड़ा उजागर होती है?

प्र.-5 लड़की की माता का यह कथन कि आजकल लड़की तो कितनी भी सुंदर क्यों न हो, बिना टीम-टाम के कौन पूछता है? समाज के लोगों की किस मानसिकता को दर्शाता है?

प्र.-6 क्या इस समाज में सम्मान और अधिकार का एकमात्र

हकदार पुरूष ही है, एकांकी के आधार पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए?

प्र.-7 क्या सचमुच विवाह व्यापार (बिजनेस) बनता जा रहा है? आप इसे कैसे रोकेंगे?

प्र.-8 लड़कियों का उच्च शिक्षित होना आज के युग में भी क्यों अभिशाप समझा जाता है। तर्क सहित स्पष्ट कीजिए?

प्र.-9 लड़की की माता का लड़कियों की उच्च शिक्षा का विरोध करना स्त्रियों की पुरानी पीढ़ी की सोच को प्रकट करता है आधुनिक समय में यह कहाँ तक तर्क संगत है?

प्र.-10 झूठ के बल पर रिश्ता तय करने में क्या हानियाँ हो सकती हैं?

प्र.-11 वर्तमान परिवेश में 'रीढ़ की हड्डी' पाठ कहाँ तक प्रासंगिक है?

माटी-वाली

प्र.-1 माटी वाली अपने कार्य के प्रति पूर्ण समर्पित थी, इस कथन की सार्थकता का उल्लेख कीजिए?

प्र.-2 भारतीय नारी में सेवा की भावना कूट-कूट कर भरी होती है, माटी वाली पाठ के आधार पर इस कथन की पुष्टि कीजिए?

प्र.-3 टिहरी बाँध की समस्या शहर के लोगों के लिए एक विपदा सरीखी थी, इस परिप्रेक्ष्य में अपने विचारों का उल्लेख पाठ के आधार पर कीजिए?

प्र.-4 माटी वाली के द्वारा दो रोटियों में से एक रोटी को छिपाना उसकी किस विवशता को उजागर करता है?

प्र.-5 अपनी पुरानी जगह को छोड़ने में बूढ़े व गरीब लोगों को किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है?

प्र.-6 विकास के नाम पर लोगों की जमीन छीन लेना नई समस्या को जन्म देना है, माटी वाली पाठ के आधार पर समाधान बताइए?

प्र.-7 टिहरी नगर का मोह वहाँ के लोगों के लिए विरासत में मिली पुरानी वस्तुओं के मोह के समान है, आज के युवा

वर्ग को विरासत में मिली वस्तुओं के प्रति मोह क्यों नहीं है? उत्तर दीजिए।

प्र.-8 अपने पूर्वजों के प्रति सम्मान का भाव आप किस प्रकार व्यक्त करेंगे?

प्र.-9 गरीब रोज मर-मर कर जीते हैं उनकी झोपड़ी नहीं उजड़नी चाहिए- ऐसा माटी वाली ने क्यों कहा होगा?

प्र.-10 भूख तो स्वयं में साग होती है, यह माटी वाली से मालकिन ने क्यों कहा होगा?

प्र.-11 पुनर्वास के समय माटी वाली से अधिकारी के द्वारा पूछे गये सवाल क्या आप को उचित लगते हैं? यदि नहीं तो क्यों?

प्र.-12 किसी भी परियोजना जैसे बाँध या सड़क बनाते समय सरकार को वहाँ के लोगों के लिए क्या व्यवस्था करनी चाहिए?

किस तरह आखिरकार मैं हिन्दी में आया

प्र.-1 लेखक ने प्रारंभिक दिनों में रोजगार के लिए किन-किन समस्याओं का सामना किया?

प्र.-2 लेखक के जीवन में बच्चन जी का क्या योगदान रहा, जिसने लेखक का संपूर्ण जीवन ही बदल डाला?

प्र.-3 लक्ष्य निर्धारित न करने के कारण किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, पाठ के आधार पर लिखिए।

प्र.-4 लेखक की कौन-सी बुरी आदत थी जो वर्तमान पीढ़ी में भी दृष्टिगत होती है?

प्र.-5 'बात के धनी, हृदय-मक्खन, संकल्प फौलाद, समय के पाबंद'- बच्चन जी के ये गुण आज कहीं खो गये हैं। आपकी नजर में इसके क्या कारण हो सकते हैं?

प्र.-6 लेखक की चेतना किस-किस से प्रभावित हुई और उसके जीवन पर उनका क्या प्रभाव पड़ा?

प्र.-7 किसी व्यक्ति के द्वारा किए गए कटाक्ष के आधार पर अपना घर छोड़ देना कहाँ तक उचित है? पाठ के आधार पर लिखिए?

प्र.-8 हिंदी ने लेखक को अपनी ओर किस प्रकार आकर्षित

किया? अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

प्र.-9 इतनी कठिनाइयाँ झेलने के बाद आखिरकार लेखक ने अपनी मंजिल पा ही ली। पाठ के आधार पर आपको क्या शिक्षा मिलती है?

प्र.-10 हिन्दी भाषा का अस्तित्व बचाने के लिए व इसके विकास के लिए आपके विचार से क्या-क्या प्रयास होना चाहिए?

प्र.-11 बच्चन जी के व्यक्तित्व से हम क्या-क्या सीख सकते हैं?

अध्यापन निर्देश

पाठ पर आधारित मूल्यपरक प्रश्नों के मूल्यांकन के संदर्भ में जो उत्तर-संकेत बिंदु दिए गए हैं वे मात्र छात्रों के दिशा-निर्देशन हेतु हैं। यदि छात्र आत्ममंथन द्वारा अपने भावों को प्रश्न से संबंधित, विषय के अनुरूप एवं भावपूर्ण विचारों से रचित उत्तर लिखता है (अर्थात् पूछे गये प्रश्न से संबंधित भाव उसके उत्तर में आ रहे हों) तो उसे प्रोत्साहित करने की तथा आवश्यकतानुसार परिमार्जित करने की आवश्यकता है।

उत्तर संकेत

रीढ़ की हड्डी

उ.-1 (i) आत्मसम्मान की रक्षा आवश्यक

(ii) अन्याय का विरोध करना उचित

(iii) योग्यतानुसार वर का चयन लड़की का अधिकार

(iv) लड़की की इच्छा-अनिच्छा जानना आवश्यक

उ.-2 (i) पुरातनपंथी एवं पुरूषवादी मानसिकता को समाप्त करना।

(ii) लड़कियों को समान अधिकार दिलाना

(iii) लिंग-भेद की भावना से त्रस्त समाज को बाहर

निकालना

(iv) समाज का सर्वांगीण विकास करना

उ.–3 (i) पुरूषों के वर्चस्व में कमी का भय

(ii) नारी की अपने प्रति जागरूकता का भय

(iii) शिक्षा पर सिर्फ पुरूषों का अधिकार समझा जाना

(iv) लड़कियों में शिक्षा से उत्पन्न साहस से भय

उ.–4 (i) लड़कियों की जाँच–पड़ताल का तरीका अनुचित

(ii) लड़कियों को देखने के नाम पर नाप–तौल करना अपमानजनक

(iii) लड़कियों का सामान की तरह खरीद–फरोख्त पीड़ाजनक

(iv) लड़के की शिक्षा पर गर्व और लड़की की शिक्षा को पाप समझना जैसी भेदभावपूर्ण बातें

उ.–5 (i) केवल सौंदर्य के आधार पर स्त्री का मूल्यांकन

(ii) रूढ़िवादी मानसिकता

(iii) लड़की के गुणों को महत्त्व न देना

(iv) लड़की को सजावट की वस्तु मानना

उ.–6 (i) नहीं, आज की नारी शिक्षित व सशक्त

(ii) संवैधानिक रूप से नारी पुरूष के बराबर

(iii) गृहस्थी के साथ–साथ बाहरी क्षेत्र में भी सक्षम

(iv) अधिकारों एवं कर्त्तव्यों के प्रति पूर्ण रूपेण सजग

उ.–7 (i) समाज में प्रतिष्ठा के नाम पर दहेज लेना

(ii) लड़की का मोलभाव करना व परिवार की हैसियत देखना

रोकने के उपाय :

(i) लड़की को उच्च शिक्षा दिलवाकर आत्मनिर्भर बनाना

(ii) लड़की को साहसी बनाना जिससे वह स्वार्थी लोगों का विरोध कर सके।

उ.–8 (i) पुरातनपंथी मानसिकता का हावी होना

(ii) लड़कियों को दूसरे घर की संपत्ति समझा जाना

(iii) शिक्षा एवं स्वास्थ्य जैसे मूलभूत अधिकारों से वंचित रखना

(iv) पुरूषवादी मानसिकता का जीवंत प्रमाण होना

उ.–9 (i) आधुनिक समय में यह सोच तर्कसंगत नहीं

(ii) स्त्री शिक्षा के बिना समाज का उत्थान संभव नहीं

(iii) महिलाओं को केवल गृहस्थी के दायरे में बाँधना

उचित नहीं

(iv) नारी किसी भी क्षेत्र में पुरूष से कम नहीं

उ.–10 (i) रिश्ता कभी सफल नहीं हो सकता

(ii) हर क्षण सत्य उजागार होने का भय

(iii) एक झूठ को छिपाने के लिए अनेक झूठ बोलने पड़ते हैं।

(iv) नैतिक रूप से झूठ बोलना अनुचित

उ.–11 (i) 21वीं सदी में भी दहेज का लालच

(ii) स्त्री की उच्च–शिक्षा का विरोध

(iii) लड़का–लड़की में भेदभाव

(iv) रूढ़िवादी मानसिकता

माटी वाली

उ.–1 (i) माटी वाली ब्रह्म मुहूर्त में उठती थी।

(ii) घंटों रास्ता तय करने के पश्चात माटाखाना पहुँचती थी।

(iii) वह प्रत्येक घर में समय से माटी देती थी।

(iv) अपने बूढ़े पति की जीविका का एकमात्र साधन थी।

उ.–2 (i) भारतीय नारी कर्त्तव्य परायणता की प्रतिमूर्ति होती है।

(ii) ठकुराइन द्वारा दी गई दो रोटी में से एक रोटी अपने बूढ़े पति के लिए छिपा लेती है।

(iii) अपने हित से पहले परिवार के हित को तरजीह देती है।

(iv) प्रसन्नतापूर्वक सोचते जाना कि आज वह अपने बूढ़े पति को सब्जी के साथ रोटी देगी।

उ.–3 (i) बाँध के कारण लोगों का घर, जमीन, रोजगार सब समाप्त हो गया।

(ii) सरकार द्वारा उनके पुनर्वास की उचित व्यवस्था नहीं की गई।

(iii) लोगों के सामने रोजी–रोटी का प्रश्न खड़ा हो गया।

(iv) मुआवजे के लिए प्रमाण का अभाव था।

उ.–4 (i) घोर दरिद्रता का होना

(ii) अभावग्रस्तता का होना

(iii) गुजारे लायक आय न होना

(iv) समय का अभाव होना

उ.–5 (i) आवास की समस्या

(ii) बेरोजगार होने की समस्या

(iii) नए माहौल में संतुलन की समस्या

(iv) अपने पुराने स्थान को छोड़ना अत्यंत पीड़ाजनक

उ.–6 समस्या :

(i) विकास के नाम पर लोगों का भविष्य अंधकारमय बनाना

(ii) आम आदमी की समस्याओं को अनदेखा किया जाना

समाधान:

(i) वास्तविकता व व्यावहारिकता को समझना

(ii) मूलभूत सुविधाएँ एवं रोजगार देना

उ.–7 (i) अपनी स्वार्थपरकता के कारण पुरानी चीजें बेच देना।

(ii) धन–लोलुपता के कारण

(iii) फैशन की अन्धी दौड़ के कारण

(iv) अपनी सुख–सुविधाएं जुटाने के लालच के कारण।

उ.–8 (i) उनकी बातों की अवहेलना न करके

(ii) उनके द्वारा दी गई धरोहर को संभाल कर रखना।

(iii) उनके जीवानानुभवों से सीखने का प्रयत्न करके

(iv) उनकी सेवा व सम्मान करके

उ.–9 (i) रोजगार व भोजन का अभाव होना

(ii) घर की उचित व्यवस्था न होना

(iii) अत्यधिक गरीबी के कारण अनिश्चित भविष्य

(iv) आपदाओं की विभीषिका के कारण सदैव चितिंत रहना।

उ.–10 (i) पेट की आग के सामने स्वाद का न दिखाई देना

(ii) भूखे होने पर स्वादहीन वस्तु भी स्वादिष्ट लगती है।

(iii) भूख लगने पर वस्तुओं (खाने की चीजों) का चुनाव नहीं किया जाता।

(iv) पहली प्राथमिकता–भूख को मिटाना।

उ.–11 (i) माटी वाली बहुत गरीब होने के साथ–साथ परिश्रमी भी है।

(ii) वह बुजुर्ग महिला होने के कारण आदर व सम्मान की पात्र है।

(iii) सभी के घरों में माटी पहुँचाने के कारण लोकप्रिय है।

(iv) प्रमाण न होने पर अधिकारी के द्वारा किया गया

व्यवहार अनुचित।

उ.–12 (i) किसी भी परियोजना पर कार्य करने से काफी समय पूर्व वहाँ के लोगों को सूचित किया जाये।

(ii) वर्तमान समय के हिसाब से उन्हें मुआवज़ा दिया जाए।

(iii) उनके पुनर्वास की उपयुक्त व्यवस्था की जाए।

(iv) अपने स्थान को छोड़ने के दर्द को समझते हुए उनके प्रति पूर्ण सम्मान का भाव रखा जाए।

किस तरह आखिरकार मैं हिंदी में आया

उ.–1 (i) आर्थिक तंगी के कारण करोलबाग से कनॉटप्लेस तक पैदल जाना

(ii) साइन बोर्ड पेंट करके जेब खर्च चलाना

(iii) पत्नी की मृत्यु के उपरांत एकाकी जीवन व्यतीत करना

(iv) आवास की समस्या

उ.–2 (i) सॉनेट के आधार पर प्रोत्साहन देना

(ii) उनकी प्रतिभा को देखते हुए उन्हें इलाहाबाद ले जाना

(iii) अभिभावक के स्थान पर नाम देना

(iv) एम.ए. पूर्ण कराने का उत्तरदायित्व लेना

उ.–3 (i) लेखक किसी कार्य में मन नहीं लगा सका।

(ii) किसी विषय पर ध्यान केन्द्रित न कर सका

(iii) किसी क्षेत्र में अपनी प्रतिभा को नहीं निखार सका

(iv) योग्यता प्रमाणित करने में बहुत समय गँवा दिया।

उ.–4 (i) पत्रों का जवाब न देना

(ii) आत्मविश्वास की कमी

(iii) लापरवाही, आलसी प्रवृत्ति

(iv) दृढ़ इच्छा शक्ति का अभाव

उ.–5 (i) लोगों में स्वार्थपरकता

(ii) धन लोलुपता

(iii) इच्छाशक्ति का कमजोर होना

(iv) आत्म–केन्द्रित होना

उ.–6 (i) बच्चन जी की प्रेरणा से

(ii) इलाहाबाद के साहित्यिक वातावरण से

(iii) पंत व निराला जी के योगदान से

(iv) मित्रों के सहयोग से

उ.–7 (i) अनुचित है

(ii) परिवार को होने वाला कष्ट

(iii) भविष्य की अनिश्चितता

(iv) असफलता से उत्पन्न निराशा

उ.–8 (i) हिंदी के प्रति लेखक का रूझान

(ii) साहित्यिक वातावरण

(iii) उर्दू एवं अंग्रेजी के प्रति मोह भंग होना

(iv) निराला व पंत जी के व्यक्तित्व से प्रभावित होना

उ.–9 (i) धैर्य से काम लेंगे।

(ii) कठिन परिश्रम करेंगे।

(iii) अपने गुणों को पहचानकर उन्हें निखारेंगे।

(iv) सकारात्मक सोच रखेंगे।

उ.–10 (i) हिंदी लेखन कार्य को प्रोत्साहित करना।

(ii) समय–समय पर प्रतियोगिताओं का आयोजन

(iii) हिंदी क्षेत्र में किए गए श्रेष्ठ कार्यों के लिए पुरस्कृत करना

(iv) भाषा का सरलीकरण करना

उ.–11 (i) सहृदयता का भाव ग्रहण करना

(ii) नि:स्वार्थ भाव से मददगार बनना।

(iii) अपने कार्य स्वयं करने की प्रवृत्ति

(iv) समय की पाबंदी